केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 245 गुरूवार 28 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नदी से किशोरी का शव बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के कुआनों–मनोरमा नदी के पुल से बुधवार की सुबह एक किशोरी नें नदी में छलांग लगा दिया, जिसके कारण वह नदी में डूब गई। सूचना पर मौके पर पहुंची लालगंज पुलिस गोताखोरों की मदद से किशोरी के शव को नदी से बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह अचानक स्थानीय थाना क्षेत्र के हथियांव कला ग्राम निवासीहेमन्ती ९½ वर्ष पुत्री रिंकू निषाद पुल पर पहुंची और छलांग लगा दिया। आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया, स्थानीय लोगों नें घटना की सूचना थाना लालगंज को दिया। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष लालगंज सुनील कुमार गौड़ एवं चौकी इंचार्ज लालगंज नें किशोरी को ढूंढने के लिए गोताखोरों को बुलवाया, काफी प्रयास के बाद किशोरी का शव नदी की धारा से प्राप्त हुआ। किशोरी ने उक्त कदम क्यों उठाया इस विषय में अभी विशेष जानकारी नहीं मिल पाई है।मृतका के पिता रिंकू मांझी रोजगार के सिलसिले में वर्तमान समय में सउदी में हैं। तीन बहनों एवं एक भाई में मृतका दूसरे स्थान पर थीं।मृतका तिलका देवी इण्टर कॉलेज छेड़िया में कक्षा ८ की छात्रा थी।

होली मिलन समारोह में मना अबीर गुलाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। होली की खुमारी अलग ही होती है। हर ओर रंग–गुलाल से समां रंगीन होता है। घरों में गुझिया, पूआ–पकवान बनते हैं, रिश्तों में मिठास घुलती है। चित्रांश क्लब महिला विंग की संयोजिका श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव के निवास मड़वा नगर में महिला विंग का होली मिलन समारोह संपन्न हुआ। क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य एक दूसरे को अबीर ,गुलाल लगाकर गुजिया खिलाकर गले मिली। जिसमें मुख्य रूप से जिसमें मुख्य रूप से क्लब की संरक्षिका इंदु,रेखा चित्रगुप्त, संध्या दिक्षित ,प्रतिमा श्रीवास्तव संजू श्रीवास्तव, संध्या पाण्डेय,सविता , रानी श्रीवास्तव, सुमन श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष प्रतिमा श्रीवास्तव, किरण पांडे, विभा श्रीवास्तव, ममता, अपराजिता, नर्मिता, बिंदु, शैली, आदि लोग उपस्थित रहे।

दिलीप घोष, सुप्रिया श्रीनेत्र को नोटिस

कोलकाता (आभा)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार कंगना रनौत के खिलाफ टिप्पणी को लेकर चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। इस बाबत आयोग ने भाजपा सांसद दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही आयोग ने दोनों नेताओं से इस नोटिस पर 29 मार्च 2024 शाम 5 बजे तक जवाब देने को भी कहा है।

पंजाब के इकलौते 'आप' सांसद सुशील कुमार रिंकू भाजपा में शामिल

नई दिल्ली (आभा)। पंजाब में आम आदमी पार्टी को बुधवार को जबरदस्त झटका लगा। पार्टी के इकलौते सांसद सुशील कुमार रिंकू भाजपा में शामिल हो गए हैं। रिंकू को पार्टी जालंधर से टिकट दे चुकी थी। उनके साथ ही जालंधर वेस्ट से आप विधायक शीतल अंगुराल भी बीजेपी में शामिल हुए। इससे पहले शीतल अंगुराल ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

भाजपा में शामिल होने के बाद सुशील कुमार रिंकू ने कहा कि यह सच है कि मैंने जालंधर के लोगों से जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं हुए

क्योंकि मेरी पार्टी (आप) ने मेरा समर्थन नहीं किया। मैं पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की कार्यशैली से प्रभावित हूं।

दोनों नेताओं के भाजपा में जाने की अफवाहें काफी दिनों से चल रही थी। लेकिन तब सांसद रिंकू ने स्पष्ट किया था कि आम आदमी पार्टी के साथ हमेशा उनकी वफादारी रहेगी और वह कहीं नहीं जा रहे। इसी तरह अंगुराल ने सोशल मीडिया पर लाइव होकर कहा था कि ये सभी बातें निराधार हैं।

रिंकू पिछले साल जालंधर उपचुनाव जीतकर सांसद बने थे। वह लोकसभा में आप के एकमात्र सांसद हैं। रिंकू पहले कांग्रेस में थे। 27 अप्रैल, 2023 को वे आप में शामिल हो गए थे और एक दिन बाद उन्हें जालंधर संसदीय क्षेत्र से आप का उम्मीदवार घोषित किया गया था।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा में शामिल होने के बाद रिंकू के अब भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना है। जालंधर भाजपा ने आम आदमी पार्टी के नेताओं पर सांसद सुशील रिंकू और विधायक शीतल अंगुराल के घर के बाहर राजनीतिक रंजिश के चलते धरना लगाने की वीडियोग्राफी और गैर कानूनी कार्रवाई करवाने को लेकर चुनाव आयोग से शिकायत की है।

जालंधर से आप सांसद सुशील कुमार रिंकू बीजेपी में शामिल होने के बाद बोले कि मैं शुरू से ही विकास से जुड़ा रहा हूं। जालंधर के लोगों ने हमें जालंधर उपचुनाव में जिताया लेकिन मुझे निराशा है कि हम उनके लिए कुछ नहीं कर सके। सड़कें खराब हैं, कूड़ा है सड़क पर गंदगी है, कचरे के पहाड़ हैं।

मुकदमा उठा लेने धमकीः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के दसकोलवा निवासिनी सावित्री देवी पत्नी रमेश चन्द्र ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। भेजे पत्र में सावित्री देवी ने कहा है कि उसके पट्टीदार धर्मवीर, सन्तोष कुमार, बुद्धेश कुमार पुत्रगण राम सुरेश आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और उसके हिस्से के बटवारे की जमीन को हड़प लेना चाहते हैं। इस मामले को लेकर पूर्व में मारपीट हुई जिसका मुकदमा लालगंज थाने में भादवि की धारा 323, 504, 506 के तहत दर्ज है। धर्मवीर, सन्तोष कुमार, बुद्धेश कुमार के विरूद्ध जनपद न्यायालय से समन जारी हुआ है। इसे लेकर उक्त लोग दबाव डाल रहे हैं कि मुकदमा उठा लो और सुलह कर लो, ऐसा न करने पर मारने पीटने

के साथ ही उसे और परिवार के सदस्यों को जान से मार देने की धमकी दी जा रही है।

सावित्री देवी ने इस सम्बन्ध में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराने के साथ ही अपने परिवार के सदस्यों के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

विद्यालय का ताला तोड़कर चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया कोतवाली थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय शंभुपुर का ताला तोड़कर चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इस मामले में विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रशान्त मणि सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए बुधवार को पुलिस को तहरीर दी है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रशान्त मणि सिंह ने बताया कि होली के अवकाश के चलते विद्यालय रविवार से लेकर मंगलवार तक बंद था। बुधवार सुबह 8रू30 बजे जब स्कूल खोला गया तो किचन का ताला टूटा हुआ था। ऑफिस की खिड़की का सरिया तोड़ा गया था तथा अतिरिक्त कक्ष की खिड़की का सरिया तोड़कर उसमें रखे गए बक्से के समान को अस्त व्यस्त कर दिया गया था। रनिंग वाटर की पाइप को काटने का प्रयास किया गया तथा उसमें लगे दो टोटियां तोड़ दी गईं। चोर किचन का ताला तोड़कर उसमें से एक भगोना तथा एक बोरी चावल उठा ले गए। बताया कि इस मामले को लेकर उनके द्वारा हरैया थाना कोतवाली में तहरीर देकर उचित कार्रवाई की मांग की गई है।

सपा शिक्षक सभा ने घोषित किये विधानसभावार प्रभारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष डा. एस.पी. सिंह पटेल ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश भर में विधानसभा प्रभारियों की नियुक्ति किया है। इसी कड़ी में शिक्षक सभा के बस्ती जिलाध्यक्ष डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी को महादेवा विधानसभा का प्रभारी बनाया है। उन्हे निर्देश दिये गये हैं कि गठबंधन प्रत्याशी से मिलकर उन्हे चुनाव जिताने में सहयोग प्रदान करें।

डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने सांसद प्रत्याशी रामप्रसाद चौधरी से मुलाकात कर शिक्षक समाज से हर संभव सहयोग दिलाने का भरोसा दिलाया। डा. सुरेन्द्र चौधरी ने कहा शिक्षकों की सबसे बड़ी समस्या नई पेंशन नीति है। शिक्षक समाज लम्बे अरसे से पुरानी पेंशन की मांग कर रहा है। कांग्रेस पार्टी ने वादा किया है कि गठबंधन सरकार बनते ही पुरानी पेंशन नीति को लागू कर दिया जायेगा। इसके साथ ही शिक्षामित्रों का पुनः समायोजन, वित्तविहीन शिक्षकों को सम्मानजनक मानदेय, चिकित्सा सुविधा, सेवा सुरक्षा बहाली, आंगनवाड़ी, रसोइया, अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि शिक्षा के बाजारीकरण जैसी अनेक समस्याओं का समाधान गठबंधन सरकार में ही संभव है।

डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी को विधानसभा प्रभारी बनाये जाने पर पूर्व विधायक अंबिका सिंह, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, अशोक श्रीवास्तव, रूधौली राजेन्द्र चौधरी, सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव, राजमणि पाण्डेय, श्रीनाथ विश्वकर्मा, डा अरुण कुमार मिश्रा, डा. फूलदेव यादव, फौजदार यादव, अर्जुन यादव, अर्जुन वर्मा, दीनानाथ, चक्रधर मौर्य आदि ने बधाइयां व शुभकामनायें दिया है। डा. सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि बाबूराम वर्मा हरैया, अजय यादव कप्तानगंज, रामरक्षा वर्मा रूधौली तथा डा. महेन्द्र सोनी को हदर विधानसभा का प्रभारी बनाया गया है।

हाईकोर्ट से मुख्यमंत्री केजरीवाल को नहीं मिली राहतः ईडी को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली (आभा)। शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्तारी के खिलाफ अरविंद केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में बुधवार को फिर सुनवाई हुई। केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी तो ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने अदालत में अपनी अपनी दलीलें दीं। तमाम दलीलों को सुनने के बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने अपना फैसला कुछ देर के लिए सुरक्षित रख लिया। इसके बाद देर शाम कोर्ट ने अपने फैसले में केजरीवाल को ईडी की हिरासत से राहत नहीं मिली। इसके अलावा कोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब मांगा। अब दो अप्रैल को हिरासत के खिलाफ सुनवाई की जाएगी।

वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अपनी दलील में कहा था कि

आचार संहिता के दौरान एक मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया। यदि आप समान खेल के मैदान को बाधित करने के लिए कुछ करते हैं, तो आप लोकतंत्र के दिल पर चोट करते हैं। सवाल गिरफ्तारी के समय का है। मेरी प्रार्थना है कि मुझे अभी रिहा कर दें क्योंकि मेरी गिरफ्तारी की बुनियाद ही गलत है, यही मेरी अंतरिम प्रार्थना है। दिल्ली हाई कोर्ट की जज स्वर्ण कांता शर्मा कहा कि वह मुख्य याचिका पर ईडी को नोटिस जारी करेगी। कोर्ट ने कहा कि अगर केजरीवाल अंतरिम राहत मांग रहे हैं, तो उस पर विचार किया जा सकता है। ईडी की ओर से एसवी राजू ने इसका विरोध किया और कहा कि हम इस पर अपना जवाब देना चाहते हैं, इसके लिए हमें थोड़ा वक्त चाहिए। फैसले में कोर्ट ने ईडी से दो अप्रैल तक जवाब तलब किया है।

मुरादाबाद में रुचि वीरा सपा प्रत्याशी, एसटी हसन का नामांकन रद

मुरादाबाद (आभा)। मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी में छिड़ा संग्राम फिलहाल थम गया है। यहां भी आजम खान की ही चली और उनकी खास रुचि वीरा मुरादाबाद से सपा की प्रत्याशी होंगी। सपा से ही पर्चा दाखिल करने वाले मुरादाबाद के सांसद एसटी हसन का पर्चा खारिज हो गया है। डीएम डीएम मानवेंद्र सिंह के अनुसार हसन के पर्चा के साथ सपा का सिंबल नहीं होने के कारण पर्चा अधूरा रह गया और रद कर दिया गया है। पर्चा कटने पर हसन ने कहा कि पार्टी ने मुझे आदेश दिया था। उसी के अनुसार पर्चा दाखिल किया था। आज ही दूसरे प्रत्याशी की तरफ से पर्चा दाखिल की जानकारी मिली थी। पार्टी का हर फैसला स्वीकार है।

माना जा रहा है कि आजम खान के कड़े विरोध के बाद सपा को अपना फैसला बदलना पड़ा है। एसटी हसन ने कहा कि जब एक बार टिकट दे चुके थे तो कोई कारण तो नहीं था। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ही बेहतर बता पाएंगे कि टिकट

क्यों काटा गया है। सपा नेता ने कहा कि अखिलेश पार्टी के नेता हैं, जिसको चाहें लड़ाएं, जिसको चाहें ना लड़ाएं। एसटी हसन ने कहा कि टिकट होना या ना होना एसटी हसन की शख्सियत को खत्म नहीं कर सकता। जो आइडियोलॉजी हमारी है, जो आइडियोलॉजी मुलायम सिंह यादव की थी और जो आइडियोलॉजी अखिलेश यादव जी की है हम उसी के साथ हैं। सपा नेता ने कहा कि मैं मुस्लिम वर्ग से आता हूं, हिन्दुस्तान की तारीख में मुसलमान 70 सालों में सबसे ज्यादा दुखी है। उन्होंने (अखिलेश) ने ही मुझे पार्लियामेंट भेजा था। जाहिर है जो इंसाफ की बात होगी वही तो मैं करूंगा।

गौरतलब है कि आजम खान और अखिलेश यादव की हाल ही में सीतापुर जेल में मुलाकात हुई थी। इसके बाद ही एसटी हसन की उम्मीदवार पर अखिलेश ने कैंची चलाई है। आजम खान चाहते थे कि अखिलेश रामपुर से चुनाव लड़ें लेकिन वह इसके लिए राजी नहीं हुए। इसके बाद रामपुर में आजम समर्थकों ने सपा का विरोध करना शुरू कर दिया और चुनाव के बहिष्कार का ऐलान किया। इसकी आंच मुरादाबाद तक पहुंच गई। इसके बाद टिकट में बदलाव किया गया है।

जिस तरह से हसन की जगह रुचि वीरा को टिकट मिला है। उसी तरह पिछले चुनाव में हसन को भी टिकट दिया गया था। पिछले चुनाव में भी अंतिम समय में टिकट बदला था। 2019 के लोकसभा चुनाव में पहले नासिर कुरैशी को सपा का टिकट मिला था। बाद में डा. एसटी हसन को टिकट थमा दिया गया। हसन जीते भी। नासिर कुरैशी को मुरादाबाद ग्रामीण सीट से विधानसभा चुनाव में 2022 में पार्टी ने प्रत्याशी बनाया और वह जीते भी।

मत प्रतिशत बढाने के लिये बस्ती में प्रवासी श्रमिकों को भेजा जा रहा है निमंत्रण पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन में 1.50 लाख प्रवासी श्रमिकों से आगामी 25 मई को मतदान कराकर लगभग 8 प्रतिशत अधिक मतदान कराने का लक्ष्य है। उक्त जानकारी जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने दी है। उन्होंने बताया कि इन सभी श्रमिकों को मतदान के लिए निमंत्रण पत्र एवं पोस्टकार्ड भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2019 के लोकसभा निर्वाचन में 57 प्रतिशत मतदान हुआ था। वर्तमान समय में जिले में 1890356 मतदाता है। इस प्रकार हम लगभग 65 प्रतिशत मतदान कराने का लक्ष्य हासिल कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 25 मई को भीषण गर्मी के मद्देनजर प्रत्येक मतदेय स्थल पर छाया एवं पेयजल की व्यवस्था की जाएगी।

उन्होंने बताया कि 31 मार्च तक सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, खंड विकास अधिकारी, डीआईओएस तथा बीएसए से जनपद के 2151 बूथों के बारे में रिपोर्ट प्राप्त कर ली जाएगी। जिन मतदेय स्थलों पर कोई कमी पाई जाएगी, उसे 10 अप्रैल तक सही कर लिया जाएगा। सभी मतदेय स्थलों पर समय से विद्युतीकरण का कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिवहर्ष पीजी कॉलेज तथा किसान इंटर कॉलेज में प्रशिक्षण के लिए 22 कमरे चिन्हित किए गए हैं, जिसका कायाकल्प कराया जा रहा है। इसी प्रकार स्ट्रांग रूम के लिए तथा स्टेशनरी आदि रखने के लिए मंडी समिति में कुल 23 कमरे चिन्हित किए गए हैं। इसमें भी मरम्मत तथा रंगाई–पुताई का कार्य कराया जा रहा है। मतदान पार्टियों

की रवानगी के लिए बसों के लिए अलग तथा कार्मिकों के वाहन के लिए अलग पार्किंग बनाई जा रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद के 2151 मतदेय स्थान पर मतदान कराने के लिए कुल 11362 कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। जनपद में 10982 नियमित कर्मचारी की उपलब्धता है। अवशेष 380 कर्मचारी की ड्यूटी शिक्षामित्र एवं संविदा कर्मी से चिन्हित करके लगाई जाएगी। इसके लिए चुनाव आयोग से अनुमति प्राप्त करने के लिए अनुरोध पत्र भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि कुल 125 अस्वस्थ कर्मचारियों में से 35 को मेडिकल बोर्ड के सामने परीक्षण के पश्चात ड्यूटी से मुक्त किया गया है। शेष की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके अतिरिक्त 20 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए हैं, जिनका वेतन रोकने की कार्यवाही की गई है। यदि वे फिर भी ड्यूटी पर वापस नहीं आते हैं, तो उनका मूल वेतन पर भेजने की संस्तुति की जाएगी। लगभग 40000 कर्मचारियों के पोस्टलबैलेट तथा इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट के आधार पर मतदान कराने की व्यवस्था कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि पचासी वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को चिन्हित करके उनके घर पर मतदान कराने की सुविधा प्रदान की जाएगी। उनके द्वारा मतदान करने की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। इसके लिए अलग से 40 मतदान पार्टियों का गठन किया गया है। क्षेत्र में मतदान कराने हेतु भेजने से पूर्व कार्मिकों का रेंडमाइजेशन भी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद में कुल 194 बरनरेबुल तथा 289 क्रिटिकल बूथ हैं, जिसमें से सर्वाधिक 81 बस्ती सदर में हैं। उन्होंने बताया कि इसका भी सत्यापन कराया जा रहा है तथा मतदान संपन्न होने तक इसकी संख्या में परिवर्तन हो सकता है। उन्होंने बताया कि कुल 7194 में से 4010 लाइसेंसी हथियार जमा कर लिए गए हैं। सर्वाधिक अवशेष असलहा कोतवाली में 878, लालगंज में 323 तथा नगर थाना क्षेत्र में 190 अवशेष हैं। यहां के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वह एक सप्ताह के भीतर सभी असलहा जमा कराना सुनिश्चित करें। नॉन ट्रेसेबल असलहों के बारे में रिपोर्ट प्राप्त करके निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

सपा–कांग्रेस के लिए परिवार सर्वोपरिः मोदी के लिए राष्ट्र पहले

मथुरा (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मथुरा से लोकसभा चुनाव प्रचार का आगाज किया। यहां पर प्रबुद्ध जन सम्मेलन के जरिए मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और उन्हें तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए हेमामालिनी को फिर से सांसद बनाने की अपील की। विपक्षी दलों खासकर सपा और कांग्रेस का नाम लिए बगैर जोरदार हमला किया। सीएम योगी ने कहा कि अन्य दलों के नेताओं के लिये परिवार सर्वोपरि है जबकि मोदी के लिए राष्ट्र पहले है। मोदी का प्रयास प्रभावी शासन देकर भ्रष्टाचार मिटाना है जबकि एक दल का काम माफिया को आगे बढ़ाना और उसके हित के काम करना है। इसी दल का काम तुष्टीकरण का है जबकि मोदी ने गरीब के हित के लिए विभिन्न योजनाएं बनाकर उनका सही क्रियान्वयन सुनिश्चित किया।

उन्होंने कहा कि एक ओर परिवारवादी दल है तो दूसरी ओर मोदी का परिवार 140 करोड़ भारतवासियों का है। उन्होंने कहा कि मोदी का मतलब गरीब का साथ देकर उसको घर, राशन, चिकित्सा आदि की सुविधा को मुहैया कराना है। उत्तर प्रदेश में एक करोड़ 50 लाख लोगों को बिजली का कनेक्शन

देकर उनके घर में रोशनी लाने का काम किया गया।

उन्होंने कहा कि मोदी का मतलब भारत मां के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा कर विकसित भारत का निर्माण करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीसरे कार्यकाल में पीएम मोदी का सपना भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनान है। जब विकसित यूपी होगा तो विकसित मथुरा होगा और विकसित मथुरा बनाने के लिए हेमामालिनी का संसद में तीसरी बार पहुंचना जरूरी है।

योगी ने यमुना नदी में व्याप्त प्रदूषण को खत्म करने का संकल्प जताते हुए बुधवार को कहा कि कि गंगा मइया हो गई निर्मल अब यमुना की बारी है। स्थानीय सांसद एवं मथुरा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी हेमामालिनी के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि हेमामालिनी ने संसद में यमुना को निर्मल बनाने का प्रश्न उठाया था। उसके बाद ही नमामि गंगे योजना पर काम शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर की इस कलाकार ने 84 कोस परिक्रम के विकास के लिए काम किया और समय–समय पर केन्द्र के विभिन्न मंत्रालयों में मंत्रियों से सम्पर्क कर मथुरा के विकास के लिए विभिन्न योजना लाने का प्रयास किया।

योगी ने कहा कि हेमामालिनी जब भी उनके पास आईं उन्होंने मथुरा वृन्दावन की समस्या उनके सामने रखकर उनके निराकरण करने का अनुरोध किया। हेमा ने विश्व में भारतीय संस्कृति की पहचान बनाई। समय समय पर ब्रज की पीड़ा को संसद में पेश किया। उन्होंने बड़े विश्वास के साथ कहा कि विश्वस्तर की यह कलाकार जब तीसरी बार सांसद बन जाएंगी तो मथुरा वृन्दावन की कोई समस्या नहीं रहेगी।

उन्होंने उपस्थित प्रबुद्धजन से घरों में जाकर हेमामालिनी के पक्ष में प्रचार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मोदी ने पिछले दस साल में एक नये ऐसे भारत का निर्माण किया तथा भारत की ऐसी पहचान बनाई। आज विश्व भारत को सम्मान की दृष्टि से देखता है। बिना भेद भाव के लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया। हर नागरिक की संतुष्टि को मोदी ने अपना उद्देश्य बनाया और पुरानी विरासत को संरक्षित रखते हुए नए भारत का मार्ग प्रशस्त किया। नागरिक सुरक्षा, किसान की आमदनी दूनी करने के लिए जैसे कार्यों के माध्यम से मोदी गारंटी दी।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 मार्च 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

खतरे में खेती

सच है कि ग्लोबल वॉर्मिंग ने हमारे खेत—खलिहानों में दस्तक दे दी है। जिस गति से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वह आम आदमी के लिये तो कष्टकारी है ही, किसान के लिये संकट ज्यादा बढ़ा है। इसका सीधा असर खेतों की उत्पादकता पर पड़ रहा है। जिसके मुकाबले के लिये सुनियोजित तैयारी की जरूरत है। किसानों को उन वैकल्पिक फसलों के बारे में सोचना होगा, जो कम पानी व अधिक ताप के बावजूद बेहतर उत्पादन दे सकें। अन्न उत्पादकों को धरती के तापमान से उत्पन्न खतरों के प्रति सचेत करने की जरूरत है, यदि समय रहते ऐसा नहीं होता तो मान लीजिए कि हम आसन्न संकट की अनदेखी कर रहे हैं। यह मसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मुद्दा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की खाद्य शृंखला से भी जुड़ा है। यानी गाहे—बगाहे इस संकट की जद में देश का हर नागरिक आएगा। दरअसल, दुनिया के तापमान पर निगाह रखने वाली वैश्विक संस्था डब्ल्यू.एम.ओ॰ की वह रिपोर्ट चिंता बढ़ा रही है जिसमें कहा गया है कि पिछले एक दशक में पृथ्वी का तापमान कमोबेश औसत तापमान से अधिक ही रहा है। फिक्र की बात यह है कि इसके मौजूदा साल में और अधिक रहने की आशंका जतायी जा रही है। यह वैज्ञानिक सत्य है कि वैश्विक तापमान में वृद्धि से पूरी दुनिया का मौसम चक्र गहरे तक प्रभावित होता है। देर—सबेर इससे मनुष्य जीवन का हर पहलू प्रभावित होगा। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वॉर्मिंग संकट के चलते पूरी दुनिया में यह कह पाना कठिन है कि कहां अप्रत्याशित बारिश होगी और कहां कष्टकारी तापमान बढ़ेगा। लेकिन इसके बावजूद विकसित देशों की सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत नजर नहीं आती। ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि इस सदी के मध्य तक दुनिया का तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ सकता है। जो मानव जीवन चक्र व फसलों के लिये घातक साबित हो सकता है।

यह सर्वविदित है कि दुनिया के बड़े राष्ट्र कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा जीवाश्म ईंधन पर रोक लगाने के लिये प्रतिबद्ध नजर नहीं आ रहे हैं। पूरी दुनिया में बड़े राष्ट्र विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी से दोहन करने में लगे हैं। वे इस बात को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं कि आज दुनिया में औद्योगिकीकरण से पहले के समय के मुकाबले विश्व का तापमान निर्धारित सीमा को पार कर चुका है। जो हमारे लिये एक खतरे की घंटी जैसा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हम मौसमी बदलाव के अनुकूल खुद को उसी अनुपात में तेजी से ढाल नहीं पा रहे हैं। दरअसल, हमें मौसम के व्यवहार में तेजी से हो रहे बदलाव के अनुरूप अपनी खेती के पैटर्न में भी बदलाव की जरूरत है। उन परंपरागत फसलों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है जो कम बारिश व अधिक तापमान में ठीक—ठाक उपज देने में सक्षम हैं। एक समय भारत में बड़े भू—भाग में हम मोटे अनाज का उत्पादन करते थे, जो कम बारिश में भी बेहतर फसल दे सकता था। लेकिन कालांतर हमने अधिक सिंचाई वाली फसलों का उत्पादन व्यावसायिक स्तर पर करना तेजी से शुरू कर दिया। मौसम में बदलाव का असर खाद्यान्न ही नहीं, सब्जियों, फल—फूलों पर भी गहरे तक पड़ रहा है। ऐसे में सिर्फ कागजी कार्रवाई के बजाय धरातल पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। हमारे कृषि विश्वविद्यालयों को फसलों के नई किस्म के बीज तैयार करने होंगे, जो किसानों को संबल देने के साथ ही हमारी खाद्य सुरक्षा चेन को सुरक्षित बना सकें। साथ ही हमें कार्बन उत्सर्जन के स्रोतों पर भी अंकुश लगाना होगा। हमें मीथेन उत्सर्जन के स्रोतों पर भी नियंत्रण करना होगा क्योंकि भारत चीन के बाद मीथेन उत्सर्जन में दूसरे नंबर पर है। साथ ही पशुधन का संरक्षण भी अनिवार्य होगा। यदि हम अभी भी नहीं जागे तो हमें अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, चक्रवाती तूफान जैसी आपदाओं के लिये तैयार रहना होगा। भारत, जहां देश की आधी आबादी कृषि व उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है, उसके लिये यह संकट बड़ा है।

निशाने पर बाबा रामदेव और माफीनामा

—निर्मल रानी—

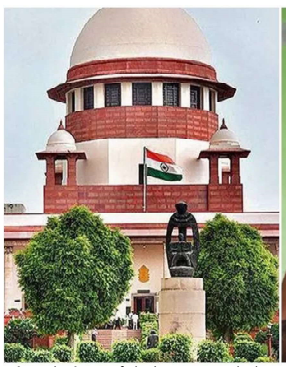

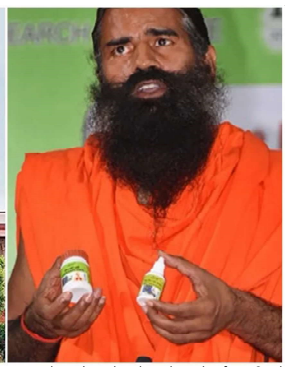

योग गुरु बाबा रामदेव व उनका व्यवसायिक उद्यम पतंजलि आयुर्वेद पिछले दिनों एक बार फिर उस समय सुर्खियों में आया जबकि रामदेव व पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक व सी ई ओ आचार्य बालकृष्ण ने सुप्रीम कोर्ट में चल रहे पतंजलि आयुर्वेद के गुमराह करने वाले एक दवा विज्ञापन मामले में सर्वोच्च न्यायालय में बिना शर्त अपनी गलती की माफी मांगी।गौरतलब है कि शपतंजलि वेलनेसश ने एक विज्ञापन देश के टी वी चौनल्स व विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित किया था जिसके माध्यम से एलोपैथी पर षालतफहमियांष फैलाने का आरोप लगाया गया था। इसी विज्ञापन को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने 17 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इस याचिका की सुनवाई में आईएमए ने दिसंबर 2023 और जनवरी 2024 में देश के अनेक अखबारों में जारी किए गए गुमराह करने वाले विज्ञापनों को अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। साथ ही 22 नवंबर 2023 को पतंजलि के ब्म्व् बालकृष्ण व बाबा रामदेव की उस पत्रकार वार्ता के बारे में भी बताया गया जिसमें पतंजलि ने मधुमेह और अस्थमा को शपूरी तरह से ठीकश करने का दावा किया था। इसी मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने पतंजलि को सभी भ्रामक दावों वाले विज्ञापनों को तुरंत बंद करने का आदेश देते हुये यह भी कहा था कि अदालत ऐसे किसी भी उल्लंघन को बहुत गंभीरता से लेगा और हर एक प्रोडक्ट के झूठे दावे पर 1 करोड़ रुपए तक जुर्माना लगा सकता है। इसी मामले में अवमानना नोटिस का जवाब नहीं देने पर बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण दोनों को 2 अप्रैल को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश भी दिया गया था। परन्तु पतंजलि आयुर्वेद ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर बिना शर्त माफी मांग ली। अदालत को दिये गये एक हलफनामे में आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि उन्हें कंपनी के ष्अपमानजनक वाक्योंष वाले विज्ञापन पर खेद है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोर्ट में हाजिर होने के आदेश के बाद पतंजलि आयुर्वेद द्वारा झूठे दावों वाले विज्ञापन के मामले में यह हलफनामा दायर किया गया । इस हलफनामे में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने न सिर्फ बिना शर्त माफी मांगी बल्कि न्यायालय में दी गई अंडरटेकिंग में यह भी कहा कि यह गलती दोबारा नहीं होगी। हलफनामे पर दिये गये इसी माफीनामे में इसतरह के विज्ञापन को पुनः प्रसारित न करने का भी वचन दिया गया है।

योग विद्या को माध्यम बनाकर दिन दूनी रात चौगुनी की दर से अपना व्यवसाय चमकाने वाले रामदेव का विवादों से पुराना नाता रहा है। पतंजलि आयुर्वेद में हालांकि मुख्य चेहरा रामदेव का ही है परन्तु रामदेव ने पतंजलि आयुर्वेद का चेयरमैन व सी ई ओ अपने सबसे विश्वस्त सहयोगी नेपाली मूल के बाल किशन को बनाया है। यही वजह है कि पतंजलि आयुर्वेद में जहां रामदेव का कोई हिस्सा नहीं है वहीं इसके 94 : हिस्से के मालिक अकेले बाल किशन हैं। 51 वर्षीय बालकिशन की गिनती इस समय देश के 68 वें सबसे रईस व्यक्ति के रुप में होती है। उनका नाम फोर्ब्स पत्रिका में अरबपतियों की सूची में भी शामिल है। फोर्ब्स पत्रिका के मुताबिक बाल किशन की अनुमानित नेट वर्थ 3.8 बिलियन डॉलर है। राम देव व बाल किशन ने 2022 में अपना व्यवसायिक टर्न ओवर 40 हजार करोड़ का बताया था साथ ही यह भी कहा था कि उनका लक्ष्य 5 वर्ष में इसे दुगना करने का है।

रामदेव द्वारा आयुर्वेद अथवा इससे सम्बंधित उत्पादों को बनाना बेचना व इनके उचित विज्ञापन देना तक तो ठीक है परन्तु प्रायः वे अपने उत्पाद को सही ठहरने के लिये अक्सर दूसरी औषधीय प्रणालियों पर भी हमलावर हो जाते हैं। उन्हें विश्व विख्यात व सर्व स्वीकार्य एलोपैथी चिकित्सा प्रणाली से बड़ी चिढ़ है। लोगों का कहना है कि रामदेव अपने उत्पाद बेचने के लिये एलोपैथी चिकित्सा प्रणाली की आलोचना करते हैं। कोरोना काल में जिस भारतीय वैक्सीन को लेकर भारत सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है उसकी आलोचना में भी रामदेव ने कोई कसर बाकी नहीं रखी। अभी भी कई जगह सार्वजनिक मंचों से वे यह कहते नजर आते हैं कि वैक्सीन लगवाने के बाद तमाम लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। यानी एक ओर तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित पूरी भारत सरकार ने देश के लोगों को कोरोना वैक्सीन लगवाने हेतु प्रोत्साहित किया जबकि ठीक इसके विपरीत रामदेव लोगों को वैक्सीन लगवाने के प्रति हतोत्साहित करते रहे। सवाल यह है कि उनमें इतना साहस आता कहाँ से है ?

दरअसल रामदेव ने योग व इसके टी वी प्रचार के माध्यम से पहले तो स्वयं को प्रसिद्धि दिलाई। उसके बाद जब योग के बहाने राष्ट्रीय स्तर पर उनके समर्थकों की संख्या बढ़ने लगी तो नेता उनकी ओर स्वयं आकर्षित होने लगे। क्योंकि स्वभाविक है नेताओं को वह व्यक्ति बहुत भाता है जिसमें भीड़ को आकर्षित करने की क्षमता हो। इसी का लाभ उठाकर रामदेव ने अपने पतञ्जलि परिसर में नरेंद्र मोदी से लेकर बड़े से बड़े नेताओं मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों को किसी न किसी आयोजन के बहाने आमंत्रित किया। यहाँ तक कि कोरोनकाल में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन के हाथों कोरोना की अपनी दवाई कोरोनिल का भी उद्घाटन करा दिया जिसे लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने दवा की विश्वसनीयता को खुली चुनौती दी। रामदेव अनेक मुख्यमंत्रियों व केंद्रीय नेताओं से सम्बन्ध बनाकर विभिन्न राज्यों में अपने उद्योग के विस्तार हेतु जमीनें भी ले चुके हैं। वह रामदेव ही थे जिन्होंने पहले तो 2012 में ट्वीट किया कि अगर कालाधन वापस आ गया तो पेट्रोल 30 रुपये प्रति लीटर मिलेगा परन्तु जब तेल की कीमतें 100 रूपये से ऊपर चली गयीं तो बड़ी ही चतुराई से उन्होंने वो ट्वीट डिलीट कर कर डाला। बाबा रामदेव 2014 से पहले लोगों से पूछा करते थे कि " आप लोगों को कौन सी सरकार चाहिए? 40 रुपए पेट्रोल वाली सरकार या 300 रुपए वाली सरकार? नरेंद्र मोदी की सरकार बनाओ, 40—45 रुपए लीटर पेट्रोल और 30—35 रुपए लीटर डीजल मिलेगा। यही नहीं गैस की कीमत भी 400 रुपए कर देंगे।श रामदेव 20 करोड़ युवाओं को रोजगार दिलाने का वादा भी करते फिरते थे। इसी सम्बन्ध में करनाल में जब एक पत्रकार ने रामदेव से पेट्रोल की कीमतों संबंधी उनके पुराने बयान के बारे में पूछा तो रामदेव उसपर आग बबूला हो गए। रामदेव ने पहले तो उसे चुप हो जाने को कहा।फिर कहा कि —शहाँ मैंने कहा था। क्या पूंछ उखाड़ लेगा मेरी ? तुम्हारे प्रश्नों के उत्तर देने का कोई ठेका ले रखा है मैंने? कर ले क्या कर लेगा। चुप हो जा। आगे कुछ पूछेगा तो ठीक नहीं।" इसी तरह कुछ समय पूर्व बाबा रामदेव ने ओबीसी समुदाय पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुये कहा कि ष्मेरा मूल गोत्र है ब्राह्मण गोत्र, और मैं अग्निहोत्री ब्राह्मण हूं। ओबीसी वाले ऐसी तैसी करायें।श परन्तु जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो बाबा रामदेव साफ मुकर गये और कहा कि मैंने कभी ओबीसी पर कोई बयान नहीं दिया बल्कि मैंने तो श्ओवैसीश कहा था क्योंकि उनके पूर्वज हमेशा राष्ट्रविरोधी रहे हैं। अपनी ही कही बात से साफ मुकरने और इसतरह घुमाने की कला कम ही लोगों को आती है। कहना गलत नहीं होगा कि बाबा रामदेव केवल चतुर ही नहीं बल्कि शातिर भी हैं।

मदरसा शिक्षा पर गहराता संकट

— कमलेश पाण्डेय—

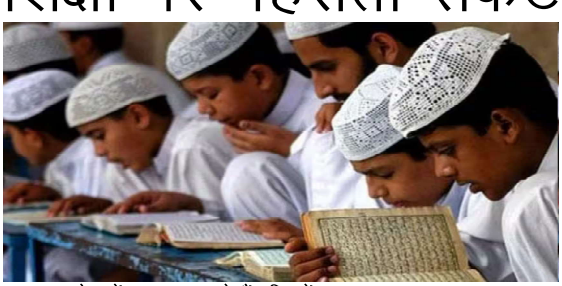

उत्तर प्रदेश में 25,000 मदरसे हैं। जिनमें मदरसा बोर्ड से 16,512 को मान्यता प्राप्त है। उनमें से 560 को सरकारी सहायता मिलती है। वहीं, लगभग 8500 मदरसे बिना मान्यता प्राप्त हैं। कहना न होगा कि उच्च न्यायालय का यह फैसला ऐसे वक्त पर आया है, जब राज्य सरकार के निर्देश पर एसआईटी राज्य में अवैध मदरसों की जांच कर रही है। इसकी जांच में अबतक 13000 मदरसे अवैध पाए गए हैं, जिन्हें बन्द करने की तैयारी चल रही है।

किसी भी धर्मनिरपेक्ष देश में अलग—अलग धार्मिक मान्यताओं व परम्पराओं को संरक्षण और बढ़ावा देना कोई अनुचित बात नहीं है। लेकिन जब सत्ताधारी दल द्वारा वोट बैंक के नजरिए से किसी धर्म को शह दिया जाए और किसी धर्म को नजरअंदाज किया जाए, तो यह गलत बात है। वहीं, विपक्षी दल द्वारा भी ऐसा किया जाना ठीक नहीं है। इस नजरिए से भारतीय धर्मनिरपेक्षता सदैव शक के कठघरे में खड़ा रहती आई है। खासकर धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए जो कुछ पक्षपाती प्रावधान वक्त दर वक्त तय किए गए, वो जब न्यायालय के समक्ष किसी जनहित याचिका के माध्यम से प्रस्तुत किये जाते हैं तो तर्क और नियमन की कसौटी पर कदापि नहीं टिक पाते। कतिपय मामलों में बहुसंख्यक धर्मावलंबियों को भी जब टारगेट करने की कोशिश की गई, तो वो प्रावधान भी कोर्ट में टिक नहीं पाए।

हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय, प्रयागराज ने यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को असंवैधानिक करार दिया और कहा कि यह कानून धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के खिलाफ भी है, जो संविधान के मूल ढांचे का अंग है। यही वजह है कि हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को योजना बनाकर इन मदरसों में पढ़ने वाले छात्रों को बुनियादी शिक्षा व्यवस्था में समायोजित करने का निर्देश दिया। इससे एक बात साफ हो चुकी है कि अब उत्तरप्रदेश में सरकारी सहायता प्राप्त 560 से अधिक मदरसों पर ताला लगेगा।

उल्लेखनीय है कि कोर्ट में याचिकाकर्ता अंशुमान सिंह राठौड़ ने मदरसा बोर्ड की संवैधानिकता को चुनौती देते हुए मदरसों का प्रबंधन केंद्र व राज्य सरकार के स्तर पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की ओर से किये जाने के औचित्य पर सवाल उठाए थे। वहीं, याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार ने कोर्ट में कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि बोर्ड धार्मिक शिक्षा दे रहा है, पर राज्य सरकार को ऐसी शिक्षा देने का संवैधानिक अधिकार है। धार्मिक शिक्षा और निर्देश देना, वर्जित या अवैध नहीं है। हां, यह बात अलग है कि ऐसे धार्मिक शिक्षा के लिए अलग से बोर्ड जरूरी है, जिसमें उसी धर्म के लोग हों।

बता दें कि इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि मदरसा अधिनियम धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों व शिक्षा के अधिकार कानून का उल्लंघन करता है, जो संविधान की मूल संरचना है। उन्होंने सवालिया लहजे कहा कि मदरसों में इसे दीनी तालीम तक सीमित कर दिया गया है, जो छात्रों के मौलिक अधिकारों का हनन करता है। वहीं, बोर्ड में सिर्फ मुस्लिम सदस्यों को शामिल किया गया, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। समझा जाता है कि इसी परिप्रेक्ष्य में उपर्युक्त न्यायिक आदेश मिला है।

इस मामले में जस्टिस विवेक चौधरी व जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की खण्डपीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए इस कानून को अधिकार से परे (अल्ट्रावायर्स) भी बताया। इसलिए सरकार का यह फर्ज बनता है कि ऐसे सभी प्रावधानों की पड़ताल करे और जनहित में सबकी एकरूपता सुनिश्चित करे। ऐसा किया जाना भारतीय धर्मनिरपेक्षता के हित में होगा। हालांकि, आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा, आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे।

वहीं, यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन इफ्तिखार अहमद जावेद ने कहा है कि फैसले का अध्ययन करने के बाद अगले कदम पर फैसला होगा। इस बात में कोई दो राय नहीं कि 20 साल बाद इस पकानून को असंवैधानिक करार दिया गया है। इसमें कहीं चूक हुई है। हमारे वकील कोर्ट के समक्ष मामले को सही तरीके से नहीं रख सके। उन्होंने कहा, मदरसे बंद होंगे तो कई शिक्षक बेरोजगार हो जाएंगे।

इस प्रकार स्पष्ट है कि उत्तरप्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड कानून को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के बाद अगर अनुदानित मदरसे बन्द कर दिए जाते हैं तो वहां कार्यरत करीब 10,200 शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की रोजी—रोटी पर संकट खड़ा हो जाएगा। बता दें कि वर्तमान में मदरसा शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त तहतानिया कक्षा 1 से 5, फौकानिया कक्षा 5 से 8 और आलिया व उच्च आलिया स्तर यानी हाई स्कूल या इससे ऊपर के लगभग 16,460 मदरसे हैं। जिनमें मुंशी मौलवी हाई स्कूल समकक्ष, आलिम इंटर समकक्ष, कामिल स्नातक और फाजिल परास्नातक के समकक्ष पढ़ाई होती है।

उल्लेखनीय है कि इन मदरसों को संचालित करने के लिए वर्ष 2004 में बने मदरसा एक्ट को हाई कोर्ट ने असंवैधानिक करार दिया है। जिसके बाद मदरसों में पढ़ाने वाले शिक्षकों व कर्मचारियों की नौकरी पर तलवार लटक गई है। वहीं, इस बारे में मदरसा शिक्षा परिषद की रजिस्ट्रार डॉ प्रियंका अवस्थी ने बताया कि मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त 16,460 मदरसों में 13 लाख 83 हजार 107 विद्यार्थी शिक्षा हासिल कर रहे हैं। वहीं, इनमें शामिल 560 अनुदानित मदरसों में 1 लाख 92 हजार 317 विद्यार्थी शिक्षा हासिल कर रहे हैं। लिहाजा, हाई कोर्ट के आदेश के बाद मदरसों के शिक्षा पा रहे इन 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों के भविष्य पर अंधेरा छा गया है।

गौरतलब है कि उत्तरप्रदेश में 25,000 मदरसे हैं। जिनमें मदरसा बोर्ड से 16,512 को मान्यता प्राप्त है। उनमें से 560 को सरकारी सहायता मिलती है। वहीं, लगभग 8500 मदरसे बिना मान्यता प्राप्त हैं। कहना न होगा कि उच्च न्यायालय का यह फैसला ऐसे वक्त पर आया है, जब राज्य सरकार के निर्देश पर एसआईटी राज्य में अवैध मदरसों की जांच कर रही है। सर्वविदित है कि इन मदरसों को विदेश से मिलने वाली आर्थिक मदद की जांच के लिए पिछले साल अक्टूबर में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। इसकी जांच में अबतक 13000 मदरसे अवैध पाए गए हैं, जिन्हें बन्द करने की तैयारी चल रही है।

बहरहाल, उच्च न्यायालय के ताजा आदेश से सरकार के दृष्टिकोण को बल मिला है। बावजूद इसके, इस मामले में फूंक—फूंक कर कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि सम्प्रदाय विशेष में कोई गलत संदेश नहीं जाए। बेहतर तो यह होगा कि ऐसे सभी कानूनों की जांच राष्ट्रीय स्तर पर की जाए और समय रहते ही उन्हें समनुरूप बनाया जाए, ताकि एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र में धार्मिक वैमनस्यता विकसित नहीं हो पाए।

सहेजना होगा बूंद—बूंद जल

—पंकज चतुर्वेदी—

इस बार भी अनुमान है कि मानसून की कृपा देश पर बनी रहेगी। ऐसा बीते दो साल भी हुआ उसके बावजूद बरसात के विदा होते ही देश के बड़े हिस्से में बूंद—बूंद के लिए मारामारी शुरू हो जाती है। मानना चाहिए कि जल स्रोत तो बारिश ही है और जलवायु परिवर्तन के कारण साल दर साल बारिश का अनियमित होना, बेसमय होना और अचानक तेजगति से होना घटित होगा ही। आंकड़ों के आधार पर हम पानी के मामले में पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा समृद्ध हैं, लेकिन चिंता का विषय यह है कि पूरे पानी का कोई 85 फीसदी बारिश के तीन महीनों में समुद्र की ओर बह जाता है और नदियां सूखी रह जाती हैं।

यह सवाल देश में हर तीसरे साल खड़ा हो जाता है कि ''औसत से कम'' पानी बरसा या बरसेगा, अब क्या होगा? देश के 13 राज्यों के 135 जिलों की कोई दो करोड़ हेक्टर कृषि भूमि के किसान प्रत्येक दस साल में चार बार पानी के लिए त्राहि—त्राहि करते हैं। दरअसल, लोग नजरअंदाज कर रहे हैं कि यदि सामान्य से कुछ कम बारिश भी हो और प्रबंधन ठीक हो तो समाज पर इसके असर को गौण किया जा सकता है।

जरा देश की जल—कुंडली भी बांच ली जाए। भारत में दुनिया की कुल जमीन या धरातल का 2.45 क्षेत्रफल है। दुनिया के कुल संसाधनों में से चार फीसदी हमारे पास हैं व जनसंख्या की भागीदारी 16 प्रतिशत है। हमें हर साल औसतन 110 सेंटीमीटर बारिश से कुल 4000 घन मीटर पानी प्राप्त होता है, जो कि दुनिया के अधिकांश देशों से बहुत ज्यादा है। लेकिन हमारे यहां बरसने वाले कुल पानी का महज 15 प्रतिशत ही संचित हो पाता है। शेष पानी नालियों, नदियों से होते हुए समुद्र में जाकर मिल जाता है। हां, एक बात सही है कि कम बारिश में भी उग आने वाले मोटे अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, कुटकी आदि की खेती व इस्तेमाल सालों—साल कम हुआ है। वहीं ज्यादा पानी मांगने वाले सोयाबीन व अन्य कैश क्रॉप ने खेतों में स्थान बढ़ाया है। इसके चलते बारिश पर निर्भर खेती बढ़ी है। थोड़ा भी कम पानी बरसने पर किसान दुखी दिखता है।

देश का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 32.80 लाख वर्ग किलोमीटर है, जबकि सभी नदियों को सम्मिलित जलग्रहण क्षेत्र 30.50 लाख वर्ग किलोमीटर है। भारतीय नदियों के मार्ग से हर साल 1645 घन किलोलीटर पानी बहता है जो सारी दुनिया की कुल नदियों का 4.445 प्रतिशत है। देश के उत्तरी हिस्से में नदियों में पानी का अस्सी फीसदी जून से सितंबर के बीच रहता है, दक्षिणी राज्यों में यह आंकड़ा 90 प्रतिशत का है। जाहिर है कि देश में आठ महीनों में पानी का जुगाड़ ना तो बारिश से होता है और ना ही नदियों से।

दुखद है कि बरसात की हर बूंद को सारे साल जमा करने वाली गांव—कस्बे की छोटी नदियां बढ़ती गरमी, घटती बरसात और जल संसाधनों की नैसर्गिकता से लगातार छेड़छाड़ के चलते या तो लुप्त हो गई या गंदे पानी के निस्तार का नाला बना दी गईं। देश के चप्पे—चप्पे पर छितरे तालाब तो हमारा समाज पहले ही चट कर चुका है। कुएं तो बिसुरी बात हो गए। बाढ़—सुखाड़ के लिए बदनाम बिहार जैसे सूबे की 90 प्रतिशत नदियों में पानी नहीं बचा। गत तीन दशक के दौरान राज्य की 250 नदियां लुप्त हो चुकी हैं। बिहार में पानी के लिए हत्या का आंकड़ा देश में सर्वाधिक है।

झारखंड के हालात कुछ अलग नहीं हैं, यहां भी 141 नदियों के गुम हो जाने की बात फाइलों में तो दर्ज है लेकिन उनकी चिंता किसी को नहीं । नदियों का जीवनस्थल कहा जाने वाला उत्तराखंड हो या फिर दुनिया की सबसे ज्यादा बरसात के लिए मशहूर मेघालय, छोटी नदियों के लुप्त होने का सिलसिला जारी है।

आखिर जिंदगी की जंग हार गई संध्या, बच्चेदानी के साथ यूरीन नली भी सिल दी थी डाक्टर

संवाददाता–देवरिया। डॉक्टरों की लापरवाही ने एक महिला की जान ले ली। कुछ दिन पहले एक प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टरों ने ऑपरेशन के दौरान महिला के बच्चेदानी पर टांका लगाते समय उसकी पेशाब नली भी सील कर दिया। जिससे महिला के किडनी और बच्चेदानी में संक्रमण फैल गया। महीनों इलाज कराने के बाद भी महिला की जान नहीं बच सकी। बुधवार की सुबह वह जिंदगी से जंग हार गई। बीते 19 जनवरी को बघौचघाट थाना क्षेत्र के मुंडेरा (पांडेयपुर) गांव की रहने वाली संध्या देवी(30) पत्नी अजय पटेल को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों ने पथरदेवा के एक प्राइवेट अस्पताल पर भर्ती कराया। यहां पर डॉक्टरों ने महिला का आपरेशन कर नवजात बच्ची को गर्भ से बाहर निकाला आपरेशन के कुछ घंटों बाद ही महिला की पेशाब रुक गई । 28 जनवरी को अस्पताल ने महिला को जबरदस्ती डिस्चार्ज कर दिया। परिजनों ने महिला को गोरखपुर के एक प्राइवेट अस्पताल पर भर्ती कराया। यहां पर डॉक्टरों ने महिला का दोबारा ऑपेरशन किया तो पता चला कि बच्चेदानी में टांका लगाते समय पेशाब की नली को भी सील कर दिया गया है जिससे पेट के आंतरिक अंगों में संक्रमण फैल गया। कुछ दिनों बाद महिला की दोनों किडनी फेल कर गई। 22 मार्च को इलाज कर रहे डॉक्टरों ने भी अपने हाथ खड़े कर दिए। 23 मार्च को परिजन महिला को घर लेकर आ गए। बुधवार की भोर में महिला की तबीयत ज्यादा नाजुक हो गई। सुबह करीब साढ़े नौ बजे उसने दम तोड़ दिया।

जिस अस्पताल पर महिला का आपरेशन हुआ है। वह फर्जी ढंग से चल रहा है। उसका स्वास्थ्य विभाग से लाइसेंस ही नहीं है। संचालक ने अस्पताल का केवल ओपीडी और आइपीडी का ही रजिस्ट्रेशन कराया है। उसी के आड़ में सर्जरी को भी अंजाम दिया जाता है। तीन रोज पहले सीएमओ अस्पताल का लाइसेंस सस्पेंड कर चुके हैं। संबंधित अस्पताल पर कोई यह पहला मामला नहीं है। यहां पर पैसों के लिए हर रोज मरीजों की जान जोखिम में डाली जाती है। दिखावे के लिए अस्पताल पर ओपीडी से लेकर कुशल सर्जन तक की सेवा चौबीस घंटे उपलब्ध होने का दावा किया जाता है लेकिन हकीकत कुछ और ही है। वर्ष 2015 में तरकुलवा के बालपुर गांव की रहने वाली एक महिला का प्रसव पीड़ा होने पर इस अस्पताल पर ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दो दिन बाद ही महिला की मौत हो गई। घटना के बाद संबंधित अस्पताल संचालक और आरोपी डॉक्टरों के खिलाफ तरकुलवा थाने में मुकदमा दर्ज हुआ। तत्कालीन डिप्टी सीएमओ डॉ. एसएन सिंह ने अस्पताल को सील भी कराया। बाद में मामला रफा–दफा हो गया। नतीजा फिर से अस्पताल शुरू हो गया। इसके दो वर्ष बाद मई 2017 में बिहार राज्य के कटेया निवासी एक शिक्षिका की अस्पताल में आपरेशन के दौरान ही मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने थाने में तहरीर भी दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। सूत्रों की मानें तो अस्पताल संचालक की ऊंची पकड़ है। इसके चलते उस पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाती है। यहां तक की प्रसव के समय बिना किसी कुशल एनेस्थीसिया और बालरोग विशेषज्ञ के महिलाओं का पेट फाड़ दिया जाता है। भाग भरोसे ऑपरेशन सफल हुआ तो ठीक वरना जान जानी तय है।

सी विजिल ऐप पर कर सकते हैं चुनाव सम्बन्धी शिकायतें

संवाददाता–बलरामपुर। लोकसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन व अन्य विभिन्न प्रकार की शिकायतों के लिए निर्वाचन आयोग ने सी विजिल ऐप विकसित किया है। इस ऐप पर चुनाव की घोषणा दिनांक से मतदान दिवस तक शिकायत अपलोड की जा सकती है। इस ऐप के माध्यम से चुनाव सम्बन्धी विभिन्न प्रकार की शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा।

डीएम अरविंद सिंह ने बताया कि सी विजिल ऐप का प्रयोग करने के लिए स्मार्ट फोन पर गूगल प्ले स्टोर डाउनलोड कर अपना मोबाइल नम्बर डालकर ओटीपी के माध्यम से लॉगिन कर शिकायत की जा सकती है। सी विजिल ऐप एक जीआईएस आधारित ऐप है, जिसमें साक्ष्य के तौर पर केवल लाइव फोटो, वीडियो व ऑडियो ही अपलोड किया जा सकता है। शिकायत अपलोड होने के उपरान्त 100 मिनट के अन्दर ही सम्बन्धित अधिकारी शिकायत का निस्तारण उसी ऐप के माध्यम से सुनिश्चित करेंगे। निस्तारण के पश्चात विवरण शिकायतकर्ता के सी विजिल ऐप पर स्वतरू उपलब्ध हो जाएगा। डीएम ने आम जनमानस से अपील किया है कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन के सम्बन्ध में ऑनलाइन शिकायत करने के लिए आयोग की ओर जारी किए गए सी विजिल ऐप का प्रयोग करें। चुनाव के दौरान प्रचार सम्बन्धी अनुमति के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में एकल खिड़की स्थापित की गई है। डीएम ने बताया कि प्रचार के दौरान पब्लिक मीटिंग, रैली, लाउडस्पीकर एवं वाहनों के उपयोग के साथ–साथ गैर वाणिज्यिक व हेलीपैड आदि की अनुमति के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में एकल खिड़की स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि प्रत्याशी एवं उनके चुनाव अभिकर्ता राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्षों के माध्यम से प्राप्त ऑनलाइन व ऑफलाइन प्रार्थना–पत्रों का त्वरित निस्तारण नोडल व सहायक नोडल अधिकारी सुनिश्चित करेंगे।

खतरों के खिलाड़ी बने स्टंटबाजों को खोज रही पुलिस

संवाददाता–बहराइच। कानूनी कार्रवाई से बेखौफ कार सवार स्टंटबाजों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कार का दरवाजा खोलकर स्टंट करते हुए किसी ने पीछे से वीडियो बनाया है। वीडियो के आधार पर पुलिस स्टंटबाजों तक पहुंचने के लिए कार के नंबर से तलाश करने में जुटी हुई है। कोतवाली देहात के डीएम चौराहे से लखनऊ हाईवे पर बंजारी मोड़ तक एक कार से कुछ युवकों को स्टंट करते देखा गया है। कार के दोनों साइड में तीन युवक खड़े हुए हैं, जबकि कार को एक लड़का चला रहा है। शहर में स्टंट करते हुए युवक तेज रफ्तार में लखनऊ की ओर जा रहे हैं। डीएम चौराहा, केडीसी तिराहा के निकट मौजूद ट्रैफिक पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में नियमों की धज्जियां उड़ा रहे लोगों पर कार्रवाई न होना कई सवाल खड़े कर रहा है। यह हाल तब है, जब ऐसी कवायद पर कानूनी कार्रवाई के निर्देश हैं। वीडियो के जरिए स्टंटबाजों को तलाश की जा रही है। कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक बीके मिश्रा ने बताया कि अब जानकारी हुई है। स्टंट करने वाले लोगों की तलाश की जा रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया है। एएसपी पश्चिमी रघोश्याम राय ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। कौड़िया थाना क्षेत्र के एक गांव की दो बहनें घर से शौच के लिए गई हुई थी। जहां पर दो युवकों ने एक नाबालिग लड़की को पकड़कर घसीटते हुए बाग में ले जाकर एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। साथ में रही दूसरी लड़की ने घर जाकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। लड़की के पिता ने इसकी शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए युवक के विरुद्ध दुष्कर्म एवं पास्को एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। थानाध्यक्ष कौड़िया अंकुर वर्मा ने फोर्स के साथ थाना क्षेत्र के निबिहा मोड़ के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। इस संबंध में थानाध्यक्ष कौड़िया अंकुर वर्मा ने बताया कि थाना क्षेत्र के दुष्कर्म एवं पास्को एक्ट के एक वांछित आरोपी दिलशाद खां को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

सुलह के बाद भी मुकदमा वापस न होने से अधिवक्ता नाराज

संवाददाता–गोण्डा। बीते दिनों नायब तहसीलदार की ओर पांच अधिवक्ताओं के खिलाफ दर्ज कराई गई रिपोर्ट को आपसी सुलह समझौते के बाद भी वापस न लेने से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने बुधवार को संघ भवन में बैठक की। बैठक में मुकदमा वापसी न होने तक न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया गया।

बीते 18 मार्च को अधिवक्ताओं और एसडीएम भारत भार्गव के बीच हुए विवाद हो गया था। इसके बाद एसडीएम ने नायब तहसीलदार जयशंकर सिंह को अधिवक्ताओं पर मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए थे। इस पर उन्होंने अधिवक्ता धर्मेंद्र मिश्रा, हरिश्चंद्र, राकेश तिवारी, सुरेश तिवारी, प्रताप बली सिंह के विरुद्ध सरकारी कार्य में बाधा डालने, गाली गलौज, धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया था। इसके तत्काल बाद दोनों पक्षों ने आपसी रजामंदी से मुकदमा वापस लेने के साथ सुलहनामा दाखिल किया। मगर अब तक मुकदमा एक्सपंज न होने पर बुधवार को करनैलगंज संघ भवन में बार एसोसिएशन करनैलगंज के अध्यक्ष गोपाल जी तिवारी की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। जिसमें अधिवक्ताओं ने राय दिया कि एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार ने पांच अधिवक्ताओं के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। बाद में मुकदमा वापस लेकर सुलहनामा दाखिल किया गया। मगर प्रशासन स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिससे मुकदमा समाप्त नहीं हुआ है। संघ के अधिवक्ताओं ने निर्णय लिया कि एसडीएम करनैलगंज की जिम्मेदारी है कि आवश्यक कार्रवाई करके मुकदमा वापस कराए और अगले बुधवार तक यदि मुकदमा समाप्त नहीं करा देते हैं तो संघ आगे की रणनीति तैयार करेगा। तब तक बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। बैठक में त्रिलोकी नाथ तिवारी, धर्मेंद्र मिश्रा, प्रताप बली सिंह, राजू मोदनवाल, संजय मिश्रा, अरविंद शुक्ला, हृदय नारायण मिश्रा, ओम प्रकाश यादव सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

मतदान ड्यूटी प्रमाण पत्र के माध्यम से होगा डाक मत देने का अधिकार

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन के दौरान ड्यूटी करने वाले कर्मियों को डाक मतपत्र देने का अधिकार निर्वाचन ड्यूटी प्रमाण पत्र के माध्यम से होगा। इसके लिए मतदान कर्मियों के मतदान के लिए एसडीएम भिनगा को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

लोकसभा चुनाव में लगे कार्मिक मतदान ड्यूटी प्रमाण पत्र दिखा कर अपना डाक मत डाल सकेंगे। ऐसे सभी व्यक्ति जहां वे मतदाता के तौर पर वोटर लिस्ट में दर्ज हैं लेकिन वे अपना वोट डालने में असमर्थ है। इसका कारण है कि वे निर्वाचन ड्यूटी में लगे हैं। इसके लिए वे अपने निर्वाचन ड्यूटी प्रमाण पत्र दिखा कर डाक मतपत्र की मांग कर सकते हैं और अपना वोट डाल सकते हैं। जबकि लो लोग बाहर रह रहे हैं और किसी कारण से वोटिंग के दिन घर नहीं आ सकते हैं वे अपना पहचान बता कर डाक मतपत्र की मांग करके वोटिंग में हिस्सेदारी कर सकते हैं। ऐसे लोग निर्वाचन क्षेत्र में ड्यूटी पर हैं तो वे डाक मतपत्र के लिए पात्र है। इन व्यक्तियों में मतदान दलों के कर्मचारी, सेक्टर अधिकारी, जोनल अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, ऐसे कर्मचारी जो जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालयों, कन्ट्रोल रूम और निर्वाचन सम्बन्धी अन्य कार्यालयों में तैनात हैं। उन्हें मतदान ड्यूटी प्रमाण पत्र दिखा कर डाक मतपत्र देने का अधिकार होगा। इसी के साथ माइक्रो प्रेक्षक, सभी पुलिसकर्मी, होमगार्ड, चालक, परिचालक और वाहनों के क्लीनर, वीडियोग्राफर एवं वेबकास्टिंग कार्मिक जो निर्वाचन कार्यों में कार्यरत हैं, वे सभी डाक मतपत्र सुविधा के पात्र है। डीएम कृतिका शर्मा ने बताया कि निर्वाचन ड्यूटी संबंधित कर्मियों के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से अलग नहीं लगाई जाती है। ऐसे में निर्वाचन ड्यूटी पर तैनात कार्मिक प्रारूप–12 क पर लिखित आवेदन सम्बन्धित संसदीय क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर से कर सकते हैं। सम्बन्धित संसदीय क्षेत्र में मतदान की तिथि से कम से कम चार दिन पहले आवेदन किया जायेगा। प्रारूप–12क के साथ निर्वाचन ड्यूटी की प्रति, मतदाता पहचान पत्र की प्रति संलग्न करनी होगी। वहीं बाहर रहने वाले लोग डाक मतपत्र की सुविधा प्राप्त करने के लिए निर्धारित प्रारूप–12 पर लिखित आवेदन सम्बन्धित संसदीय क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर को मतदान की तिथि से कम से कम सात दिन पहले करना होगा।

10 फीट की दीवार फांदकर आंगन से बकरी उठा ले गया तेंदुआ, ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता–बलरामपुर। जरवा स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के हलौरा गांव में 10 फीट दीवार फांदकर आंगन में कूदा तेंदुआ बकरी को उठा ले गया। इससे गांव में दहशत है। कई दिनों से गांव के आसपास भटक रहे तेंदुए को ग्रामीणों ने वन विभाग से पकड़वाने की मांग की है। तुलसीपुर रेंज के ग्राम हलौरा निवासी अब्दुल हमीद ने बताया कि परिवार के सभी लोग कमरे के अंदर सो रहे थे। आंगन में पांच बकरियां बंधी थी। घर के चारों तरफ 10 फीट की दीवार है जिसे फांदकर तेंदुआ आंगन में आ गया और एक बकरी को उठा ले गया।

बकरियां चिल्लाने लगी हम लोग कमरे से बाहर निकले तो देखा तेंदुआ एक बकरी को घसीटता हुआ खेत की तरफ ले जा रहा था। ग्रामीण निसार अहमद, वहीद, अहद, अब्दुल हक, अब्दुल अजीज, अब्दुल हफीज, मास्टर इसहाक व अब्दुल कलाम ने बताया कि इससे पहले भी तेंदुआ गांव में कई बकरियों को अपना निवाला बना चुका है। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग से गुहार लगाई गई लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। छह माह पहले गांव के दो लोगों पर भी तेंदुए ने हमला कर दिया था जिससे लोग घायल हो गए थे। तुलसीपुर रेंजर अमरजीत प्रसाद ने बताया कि सूचना मिली है। वन विभाग की टीम भेजी जा रही है। ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मां से विवाद के बाद तालाब में कूदा नशेड़ी, डूब कर मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। मां से विवाद के बाद एक नशेड़ी तालाब में कूद गया। देखते ही देखते वह तालाब में डूब गया। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम दिकौली के मजरा तुलसीरामपुरवा निवासी ननके (20) पुत्र बछऊ का मंगलवार देर शाम मां से विवाद हो गया था। विवाद के बाद उसने चौगेई चौराहे पर जाकर शराब पी और फिर से घर आकर विवाद करने लगा। इस दौरान उसने कहा कि तालाब में जाकर डूब जाएगा और देखते ही देखते ननके तालाब में डूबने लगा। लोगों ने बचाने का प्रयास किया। लेकिन गहरे पानी में जाकर डूब गया। देर तक बाहर नहीं निकला तो परिजनों ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही पीआरवी 2495 के पुलिस कर्मी मुख्य आरक्षी जीतेन्द्र कुमार यादव,आरक्षी राम आशीष पाल व चालक महेश कुमार सोनी मौके पर पहुंच गए और बिना देर किए तालाब में कूद गए। पुलिस कर्मियों ने ननके को बाहर निकाला लेकिन तब तक मौत हो गई थी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष श्यामदेव चौधरी ने पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

820 किलोमीटर दौड़ लगाकर अयोध्या पहुंचे भक्तों का महंत जय रामदास ने किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। हमारे हिंदू सनातन धर्म में भगवान श्रीरामलला के प्रति लोगों की कितनी बड़ी आस्था है। इसका जीता–जागता उदाहरण होली के दिन देखने को मिला। जब सनी तिवारी, विशाल तिवारी व अमन कुमार अपने सहयोगियों मनीष झा, आयुष कुमार संग जमशेदपुर झारखंड से 8 सौ 20 किमी. दौड़ लगाकर अयोध्या पहुंचे। जहां श्रीरामाश्रम पीठाधीश्वर महंत जयराम दास महाराज की अगुवाई में इनका स्वागत–अभिनंदन किया गया। उसके बाद इन मैराथन यात्रियों ने श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान भव्य मंदिर में रामलला का दर्शन किया। मैराथन टीम की अगुवाई कर रहे रामभक्त सनी तिवारी ने बताया कि वह अपनी टीम के साथ विगत 11 मार्च को जमशेदपुर से मैराथन दौड़ लगाते हुए चले थे। 25 मार्च को वह सब अयोध्या पहुंच गए। जहां उन्होंने श्रीराममंदिर में रामलला का दर्शन किया। इससे पहले वह लोग श्रीराम आश्रम गए। वहां श्रीरामाश्रम पीठाधीश्वर महंत जयराम दास महाराज की अगुवाई में उनका अभिनंदन किया गया। पंद्रह दिनों में उन्होंने अपनी यात्रा पूरी की। प्रतिदिन वह सब 50 से 55 किमी. की दौड़ लगाते थे। उन्होंने कहा कि उनके मैराथन का मुख्य उद्देश्य श्रीरामलला का दर्शन करना रहा, जिसका संकल्प उनके द्वारा लिया गया था। जो श्रीरामलला सरकार के दर्शन संग पूरा हुआ। यह बहुत ही गौरवांवित करने वाला रहा। श्रीरामलला सरकार का दर्शन–पूजन कर उन्हें बहुत ही अच्छा लगा। वह धन्य हुए, इस ऐतिहासिक और अविस्मरणीय पल को कभी नहीं भूलेंगे। उनका जीवन हमेशा–हमेशा के लिए सार्थक हो गया। आज पूरा विश्व हिंदू सनातन धर्म का अनुसरण कर रहा है।

अंतिम दौर में चल रहा है यूपी बोर्ड उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कार्य

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में यूपी बोर्ड उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कार्य अंतिम दौर में चल रहा है। अब तक हाई स्कूल में 96331 एवं इंटरमीडिएट में 53585 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य पूरा किया जा चुका है। अभी हाई स्कूल में 17861 एवं इंटर में 7727 कापियों का मूल्यांकन कार्य अवशेष है। माध्यमिक शिक्षा परिषद से बलरामपुर जिले को यूपी बोर्ड उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन के लिए हाई स्कूल में 114192 एवं इंटरमीडिएट में 61312 कॉपियों के जांच की जिम्मेदारी मिली है। बुधवार को हाई स्कूल में 11342 व इंटरमीडिएट में 6183 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य किया गया। अब तक एमपीपी इंटर कॉलेज मूल्यांकन केंद्र पर हाई स्कूल की 96331 एवं इंटरमीडिएट में 53585 कापियों की जांच कार्य की जा चुकी है। अब जिले में हाई स्कूल में मात्र 17861 इंटरमीडिएट में 7727 उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य शेष बचा है। उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन कार्य को लेकर हाई स्कूल में 826 व इंटर में 566 जांचकर्ता लगे हुए हैं।

सीसीटीवी एवं कंट्रोल रूम की निगरानी में हो रहा मूल्यांकन कार्यरूयूपी बोर्ड उत्तर पुस्तिका हाई स्कूल व इंटरमीडिएट का मूल्यांकन कार्य सीसी टीवी की निगरानी में कराया जा रहा है। इसके साथ–साथ राज्य कंट्रोल रूम एवं जिला कंट्रोल रूम मूल्यांकन कार्य के पल–पल की रिपोर्ट लाइव के रूप में देख रहा है। मूल्यांकन पारदर्शी तरीके से हो उसके लिए शासन से डायट प्राचार्य को पर्यवेक्षक तथा जिलाधिकारी ने स्टैटिक्स मजिस्ट्रेट के रूप में राजकीय इंटर कॉलेज दारी चौराहा के प्रिंसिपल आशीष मौर्य को जिम्मेदारी दे रखी है। गोविंद राम, मुख्य नियंत्रक डीआईओएस ने कहा कि जिले में 16 मार्च से उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य पारदर्शी तरीके से शुरू किया गया। 31 मार्च के भीतर मूल्यांकन कार्य पूरा करने का लक्ष्य है।

संतो ने श्री राम लला सदन में ठाकुर जी के साथ जमकर खेली फूलों की होली

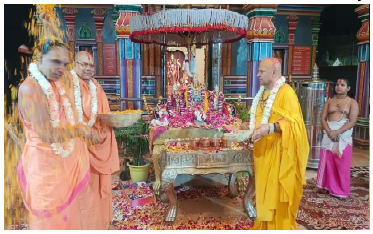

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। अयोध्या धाम में होली की रंगों का फुहार वातावरण को सुगंधित करने लगी है वही अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन ठाकुर जी के साथ होली का विहंगम दृश्य देखकर अयोध्या आने वाले श्रद्धालु अभिभूत हो रहे हैं और ऐसे मंगल दृश्य की छवि को अपने हृदय में बसा कर आनंदित हो रहे हैं।अयोध्या में होली के कई रंग दिखते है। साधु संतो की माने तो इस दिन वह किसी और के साथ नहीं बल्कि साक्षात् भगवान् राम के साथ ही होली खेलते है। रामनगरी के राम कोट में स्थित श्री रामलाल सदन मंदिर में श्री राम लला सदन देवस्थानम ट्रस्ट रामकोट अयोध्या के अध्यक्ष जगतगुरु रामानुजाचार्य डॉ स्वामी राघवाचार्य महाराज द्वारा ठाकुर जी के साथ संतों ने फूलो की होली खेली। यह वही स्थान है जहां भगवान श्री राम के साथ चारों भाइयों का नामकरण किया गया था।

डॉ स्वामी राघवाचार्य महाराज के संयोजन में संत धर्माचार्यों ने फूलों की होली खेली। भगवान के ऊपर भी रंग बिरंगे फूलों की वर्षा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि रंगभरी एकादशी से होली का उत्सव शुरु हो जाता है और इसी दिन से राम नगरी के साथ होली पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष प्रभु श्री राम अपने जन्म स्थान पर बने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं इसलिए यह उत्सव कई गुना बढ़ गया है अयोध्या भारत के साथ–साथ पूरे विश्व का जनमानस इस वर्ष की होली के उत्सव में पहले से ही रंग गया है। होली का त्यौहार प्रेम और समर्पण का प्रतीक है क्योंकि भक्त प्रहलाद अपने आपको भगवान को समर्पित कर दिए थे इसलिए बुराई उनकी कुछ नहीं कर पाई और प्रेम समर्पण का विजय हुआ इसीलिए होली सौहार्द का त्यौहार है और इसमें सब लोग मिलजुल कर त्यौहार मनाते हैं। श्री राम लला सदन में होली के पदों की ऐसी महफिल जमी जिसको सुनकर सब लोग मंत्र मुक्त हो गए और ठाकुर जी के साथ सभी के ऊपर फूल बरसा करके होली मनाई।

इस उत्सव में बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास, जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण सहित सैकड़ो श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत, फूफा घायल

संवाददाता–कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के ढोरही गांव निवासी युवक की मंगलवार को सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई और उसके फूफा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें मेडिकल कालेज इलाज के लिए ले जाया गया। होली पर हुए हादसे से गांव में मातम छा गया है। युवक के परिवार के अन्य लोग महाकाल दर्शन के लिए गए हुए थे।

कुशीनगर में पडरौना तहसील क्षेत्र के सिरसिया दीक्षित निवासी 55 वर्षीय कमलेश दीक्षित अपने साले के लड़के संस्कार मिश्रा निवासी ढोरही के साथ गोरखपुर से कसया के मदनपुर में पूछार करने जा रहे थे। गोरखपुर–कसया मार्ग पर मुजहना के पास पहले से खड़े ट्रक में अचानक बाइक चला रहे संस्कार मिश्रा की जोरदार टक्कर हो गई। 20 वर्षीय संस्कार मिश्रा पुत्र अनिल मिश्रा की दर्दनाक मौत हो गई और पीछे बैठे कमलेश दीक्षित भी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को एम्बुलेंस से मेडिकल कालेज गोरखपुर ले जाया गया। होली त्योहार पर हुए इस हादसे से गांव में मातम छा गया है। संस्कार मिश्रा के परिवार के अन्य लोग महाकाल दर्शन के लिए गए हुए हैं।

श्रीराम नगरी में रसमोद कुंज सहित सभी मंदिरों में जमकर उड़े रंग गुलाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। रामनगरी के सभी मंदिरों में रंग गुलाल से होली खेली गई संत महंत अपने मठ मंदिरों में भगवान के साथ–साथ श्रद्धालुओं और भक्तों के साथ भी जमकर के होली खेली। होली का रंग और चटक इसलिए भी हुआ क्योंकि प्रभु श्री राम लला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए और पहली बार अपने जन्म स्थान पर भव्य होली खेली इसके साथ –साथअयोध्या के सभी मंदिरों में खेली गई रामलला को भी अबीर गुलाल लगाए गए। कनक भवन दशरथ महल जानकी महल हनुमानगढ़ी सहित अयोध्या के सभी मंदिरों और घरों में खेली गई होली जमकर उड़े रंग गुलाल।

गोलाघाट स्थित प्रसिद्ध पीठ रसमोद कुंज में पीठाधिपति महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज के संयोजन में होली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। ठाकुर जी को पंचामृत से स्नान कराकर नवीन वस्त्र धारण कराए गए अबीर गुलाल लगाए गए नाना प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया जिसमें प्रमुख रूप से गछिया मालपुआ खीर आदि व्यंजन शामिल रहे।सायंकाल मंदिर में संतों और भक्तों ने ठाकुरजी के साथ फूल–गुलाल की होली खेली। उसके पश्चात एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाया। मठ का पूरा वातावरण भक्तिमय माहौल में रंग चुका था। संत, श्रद्धालु आह्लादित होकर खुशी से झूम रहे थे। अयोध्या के नामचीन गायक कलाकारों ने होलिकोत्सव के पद्य गाकर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आश्रम में सुबह से लेकर देर रात्रि तक उत्सव चलता रहा। अंत में महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज ने लोगों को न्यौछावर भी भेंट किया। इस अवसर पर रसमोदकुंज पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण महाराज ने कहा कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंदिर में परंपरागत रूप होली का त्योहार मनाया गया। संतों और भक्तों ने ठाकुरजी संग होली खेली। साथ ही भगवान के होलिकोत्सव झांकी का दर्शन कर अपना जीवन धन्य हो गया। इस अवसर पर व्यास राघवेंद्र शरण, ओंमकार दास, राजेंद्र पांडेय, पुजारी अनिरुद्ध शरण पुजारी आकाश शरण, मनोहर वैद्य कपिल आदि उपस्थित रहे।

जुलूस में उपद्रव और मारपीट की घटना में मुकदमा दर्ज

संवाददाता-गोरखपुर। पिपराइच क्षेत्र के ग्राम मुड़ेरी गढ़वा में समुदाय विशेष के कुछ लोगों द्वारा उपद्रव की नीयत से होली जुलूस में पहुंच कर राजन यादव ,प्रेम यादव पर राड से हमला बोल दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने कार्यवाही की मांग को लेकर गांव में ही सड़क के बीच धरने पर बैठ गये । सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया और आरोपियों पर कार्रवाई की। मंगलवार की दोपहर में मुड़ेरी गढ़वा गांव में होली का जुलूस निकाला जा रहा था। जुलूस में शामिल लोग नाचते गाते जा रहे थे। इस दौरान गांव के ही रेहान , उसके पिता और कुछ अन्य लोग हमलावर हो गये।जिसमें राजन यादव व प्रेम यादव को लाठी डंडे व राड से मारकर घायल कर दिया । पुलिस ने राजन यादव के तहरीर पर आरोपी मुड़ेरी गढ़वा निवासी रेहान ,उसके पिता नाम अज्ञात तथा कुछ अन्य साथियों पर धारा 147,148,295ए तथा 323 के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

पहले पत्नी ने की खुदकुशी फिर पति ने फंदे से लटक कर दे दी जान

संवाददाता-संतकबीरनगर। बखिरा थाना क्षेत्र के ग्राम नंदौर में एक दंपति का शव कमरे में लटकता मिला। पारिवारिक कलह में पति-पत्नी के जान देने के बाद दंपति के दो बच्चे अनाथ हो गए। परिजनों और आस-पास के लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस को दी गई तहरीर में नंदौर निवासी भगगन पुत्र बहादुर ने बताया कि बीते सोमवार को दिन में उसका लड़का नरसिंह (32) उर्फ कोईल शराब पीकर घर आया। अपनी पत्नी लक्ष्मी (30) से विवाद करने लगा। जिस पर उसने और अन्य लोगों ने बीच-बचाव करके मामला शांत कराया। उसके बाद भी दोनों गाली-गलौज कर रहे थे। देर रात को बेटे और बहू में पुनः किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद मंगलवार की सुबह गांव के लोग होली खेलने के लिए बुलाने लगे। आवाज न आने पर खिड़की से देखा तो बंद कमरे में शव लटकता हुआ दिखा। परिजनों की सूचना पर बखिरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई। सीओ मेंहदावल ने कहा कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। प्रकरण आत्म हत्या का है। आपसी कलह में पति-पत्नी ने आत्म हत्या कर ली।

नंदौर में पारिवारिक कलह से उपजे विवाद में मां-बाप द्वारा आत्महत्या करने के बाद जैकी (7)और लकी (4) अनाथ हो गए। दोनों मासूमों के सर से त्योहार के दिन एक ही साथ मां-बाप का साया हट गया। इसके बाद दोनों मासूमों का करुण क्रंदन देखकर लोगों की आंखें नम हो जा रही थीं। गांव और क्षेत्र के लोग परिजनों को दिलासा देते-देते खुद ही भावुक हो जा रहे थे।

राम मंदिर सुरक्षा में तैनात जवान को लगी एके-47 से चली गोली, लखनऊ रेफर

संवाददाता-अयोध्या। श्रीराम मंदिर परिसर में तैनात प्लाटून कमांडर खुद की एके-47 से गोली चलने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें श्रीराम अस्पताल लाया गया, जहां से मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में ऑपरेशन के बाद गंभीरावस्था में उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया। हादसा मंगलवार की शाम लगभग 05:45 बजे परिसर में स्थित चौकी में हुआ है। मूलरूप से अमेठी जिले के रहने वाले रामप्रसाद (53) पीएसी की 32वीं बटालियन के प्लाटून कमांडर के पद पर इन दिनों श्रीराम मंदिर परिसर की सुरक्षा में तैनात हैं। मंगलवार की शाम लगभग 05:45 बजे वह अन्य जवानों के साथ परिसर में स्थापित चौकी पर सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभाले थे कि इस बीच अचानक असलहा साफ करते समय उनके ही एके-47 से अचानक गोली चल गई। गोली सीधे उनके बायीं तरफ सीने में लगी और आरपार हो गई। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल होकर वह वहीं गिर पड़े। साथ में तैनात अन्य जवानों ने उच्चाधिकारियों को सूचित करके उन्हें राजकीय श्रीराम अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर लगभग 06:46 बजे उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां जनरल सर्जन डॉ. एसपी बंसल ने ऑपरेशन करके उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। अभी भी कमांडो की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्लाटून कमांडर के ऑपरेशन के दौरान मेडिकल कॉलेज परिसर छावनी में तब्दील रहा। आईजी प्रवीण कुमार, सीआरपीएफ कमांडेंट छोटेलाल, एसएसपी राजकरन नय्यर समेत पुलिस के अन्य अधिकारी स्वयं मौजूद रहे। उनके साथ काफी संख्या में पुलिस, पीएसी व सीआरपीएफ के जवान भी डटे रहे। वहीं, ऑपरेशन के दौरान सीएमओ डॉ. संजय जैन, प्राचार्य डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार व सीएमएस डॉ. अरविंद सिंह भी मौजूद रहे।

श्रीराम मंदिर परिसर के हाई सिक्योरिटी जोन में अचानक गोली चलने की आवाज से परिसर में हलचल मच गई। श्रद्धालु भी इससे भयभीत हो गए। हालांकि, अन्य जवानों ने सक्रियता दिखाकर उन्हें समझा-बुझाकर मामले से अवगत कराया, अन्यथा भगदड़ भी मच सकती थी। सूत्रों के अनुसार मूलरूप से अमेठी निवासी प्लाटून कमांडर रामप्रसाद लगभग एक वर्ष पहले लखनऊ से अयोध्या संबद्ध किए गए थे। उनका परिवार अभी भी लखनऊ में ही रहता है। हादसे के बाद परिजनों को भी सूचित किया गया है।

प्रवीण कुमार, आईजी ने कहा कि अपने ही शस्त्र से गोली चलने से पीएसी के प्लाटून कमांडर रामप्रसाद घायल हो गए हैं। उन्हें मेडिकल कॉलेज से लखनऊ रेफर किया गया है। वह परिसर के भीतर बनी चौकी में अन्य जवानों के साथ तैनात थे।

श्रीमद् भागवत कथा के लिये निकली भव्य कलश यात्रा

-भारतीय बस्ती संवाददाता- बस्ती। बुधवार को 'उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी, बस्ती' में आठ दिवसीय 'श्रीमद् भागवत कथा' का आरम्भ भव्य कलश यात्रा के साथ पूर्ण धार्मिक विधि-विधान के साथ हुआ। कलश यात्रा राजकीय इण्टर कालेज से प्रारम्भ हुई। कलश यात्रा का पूजन मुख्य यजमान श्री धीरेन्द्र शुक्ल एवं श्रीमती वाग्श्वेरी शुक्ला ने करवाया। वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूजन मुख्य पुजारी पं० शत्रुधन शुक्ल ने करवाया। कलश यात्रा का शहर में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कलश यात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं कलश व श्रीफल लिए चल रही थीं। कलश यात्रा में सबसे आगे श्री राम दरबार एवम् राधा कृष्ण की झांकी चल रही थी। श्रद्धालु भक्ति रचनाओं पर झूमते हुए आगे बढ़ रहे थे। यात्रा मुख्य मार्गों से होती हुई कथा स्थल पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्ध नागरिक शामिल थे। दोपहर बाद श्रीमद् भागवत कथा का आगाज हुआ। जिसमे श्री रामलला सदन देवस्थान ट्रस्ट रामकोट अयोध्या के कथावाचक स्वामी राघवाचार्य जी महाराज द्वारा भागवत कथान का शुभारम्भ किया गया। महाराज जी ने कथा में आये लोगो यह कहा की भागवत कथा कर्म योग की शिक्षानीति देती है। कर्म के अनुसार ही मनुष्य को फल मिलता है उन्होंने कहा की किया गया परोपकार कभी व्यर्थ नहीं जाता इसके साथ महाराज जी ने भगवत् महात्म्य, पाण्डव चरित्र, परीक्षित रक्षा व नारद चरित्र के बारे मे बताया।

अन्त में कथा उपरान्त प्रसाद का वितरण किया गया। कलश यात्रा में डा० राजन शुक्ला, विनय शुक्ला , संतोष श्रीवास्तव ,जगदीश मिश्रा नरेन्द्र सिंह,संतोष सिंह महेश शुक्ल के साथ ही , विद्यालय के अन्य शिक्षकगण सपरिवार उपस्थित रहे।

सरयू में नहाने गया ई-रिक्शा चालक डूबा, मऊ जनपद में मिला शव

संवाददाता-गोरखपुर। बड़हलगंज कस्बे के गोला मोहल्ला निवासी ई-रिक्शा चालक की सरयू नदी में डूबने से मौत हो गई। करीब 10 घंटे के बाद उसका शव मऊ जिले के दोहरीघाट क्षेत्र में नई बाजार के सामने मिला। युवक के शव को दोहरीघाट पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार बड़हलगंज कस्बे के गोला निवासी वाजिद अली गुड्डू का बेटा आफताब आलम (18) मंगलवार को अपने दो दोस्तों के साथ फोरलेन के पास सरयू पुल की तरफ दियारा में नहाने गया था। जहां नहाते समय वह गहरे पानी में डूब गया। उसके साथ गए दोस्तों की सूचना पर परिजन और ग्रामीण पहुंचे। लोगों ने गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश शुरू कर दी। करीब 10 घंटे के बाद आफताब का शव मऊ जिले की सीमा में स्थित नई बाजार के सामने नदी में मिला। तीन भाइयों में सबसे बड़ा आफताब ई-रिक्शा चलाता था।

चोर ले गए दो बाइक, पुलिस को मिली एक

संवाददाता-गोरखपुर। चौरीचौरा थानांतर्गत शत्रुध्नपुर (फुटहवाइनार) निवासी श्रवण कुमार वर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मंगलवार को भोजन करके सोने चले गए। रात में डेढ़ बजे मौका देखकर चोर उनकी दो बाइक चुरा ले गए। उन्होंने तत्काल डॉयल 112 पर सूचना दी। छानबीन करने पर बुधवार की सुबह एक बाइक करमहां में लावारिस हाल में मिली। लेकिन दूसरी बाइक का अब तक पता नहीं चला।

साढ़े तीन लाख एडवांस लेकर नहीं बेची जमीन, मुकदमा दर्ज

संवाददाता-गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के खानिमपुर में भूमि दिखाकर जालसाजों ने महिला से साढ़े तीन लाख रुपये का एडवांस ले लिया। बाद में उसी भूमि का बैनामा दूसरे के नाम से कर दिया। रुपये मांगने पर आरोपी जानमाल की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित की सूचना पर केस दर्ज करके पुलिस जांच में जुटी है। गोरखनाथ थाना क्षेत्र के हुमायूंपुर निवासी महेंद्र गुप्ता की पत्नी कंचन गुप्ता ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उनको एक जमीन की आवश्यकता थी। गीडा थाना क्षेत्र खानिमपुर निवासी कुछ लोगों से मुलाकात हुई, जिन्होंने खानिमपुर में जमीन दिखाई। वह जमीन पसंद आने पर सौदा तय हुआ। जमीन लेने के लिए जून 2021 में जमीन मालिक सहित अन्य दो लोगों के बैंक खातों में उन्होंने साढ़े तीन लाख रुपये भेज दिए। बाद में एडवांस रकम लेने वाले लोगों ने जमीन का बैनामा करने से इंकार कर दिया। उन लोगों ने किसी और को जमीन बेच दी। एडवांस दी गई रकम वापस मांगने पर जानमाल की धमकी देने लगे। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी अशोक पाल, संजय पाल और गुड्डी देवी के खिलाफ जालसाजी और धमकी देने का केस दर्ज किया है।

चिता से अधजला शव उठा ले गई पुलिस

संवाददाता-गोरखपुर। झंगहा थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत ब्रह्मपुर के छोटकी अनुसूचित जाति की बस्ती में मंगलवार को पूनम (24) पत्नी राजन की जहर खाने से मौत हो गई। पुलिस को सूचना दिए बिना परिजन शवदाह कराने चले गए। किसी ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अधजले शव को चिता से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

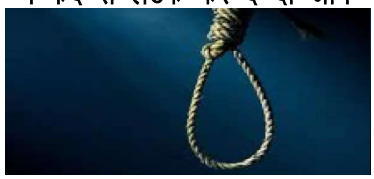

मिली जानकारी के अनुसार पारिवारिक विवाद की वजह से पूनम ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था। उसकी हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सीएचसी ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव का अंतिम संस्कार कराने के लिए बेलवा मंझना नाला पहुंच गए। तभी किसी ने विवाहिता की हत्या करके शव जलाने की सूचना पुलिस को दे दी। नई बाजार चौकी इंचार्ज अखिलेश तिवारी पुलिस टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने शव को चिता से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पूनम के पिता ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने पूनम के पति राजन और उसके भाई देवर को हिरासत में ले लेकर छानबीन शुरू कर दी।

अवैध रूप से घुस रहे चीनी युवक, युवती गिरफ्तार

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। जिले में सुरक्षाबलों ने भारत-नेपाल बॉर्डर के पास से दो चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों अवैध रूप से भारतीय सीमा में घुस आए थे। इनमें एक महिला और एक पुरुष शामिल है। फिलहाल, पुलिस ने एफआईआर दर्ज इन्हें कोर्ट के सामने पेश किया है।

26 मार्च को जब इंडो-नेपाल बॉर्डर के पास एसएसबी व मोहाना थाने की फोर्स संयुक्त रूप से पेट्रोलिंग कर रही थी तभी बभनी चौराहे के पास अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के अपराध में एक पुरुष व एक महिला को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 2 चाइना के पासपोर्ट, 2 नेपाल के वीजा, 2 चाइना के सिम कार्ड व 2 नेपाल के सिम कार्ड, 1 एप्पल का फोन व 1 ऑनर का फोन व 9 विभिन्न कार्ड बरामद किए गए।

पकड़े गए अभियुक्त का नाम झू पुलिन है जो चीन के सिचुआं का रहने वाला है, वहीं अभियुक्ता का नाम युआन युंहा है जो कि हंगजीनबा की रहने वाली है। इन दोनों पर पुलिस ने भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के अपराध में केस दर्ज किया है। मोहाना थाने में धारा 14(।) विदेशी अधिनियम-1946 के तहत मुकदमा दर्ज करके दोनों को न्यायालय के सामने पेश किया।

एएसपी सिद्धार्थनगर ने बताया कि 26 मार्च को पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने बभनी तिराहे से एक पुरुष व एक महिला को पकड़ा है।

जिनसे पूछताछ की गई तो ज्ञात हुआ कि वह चीनी नागरिक हैं तथा बिना किसी वैध डॉक्यूमेंट के भारत में प्रवेश कर गए हैं।

बिना वैध डॉक्यूमेंट के भारत में प्रवेश करने पर उनके खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 53/2024/धारा 14 ए विदेशी अधिनियम 1946 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर उन्हें माननीय न्यायालय रवाना किया गया। प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

बाइक की ठोकर से बुजुर्ग की मौत

संवाददाता-गोरखपुर। क्षेत्र के करमैनी खड़खड़िया मार्ग पर घघवा चौराहे के समीप मंगलवार को तेज रफ्तार बाइक की ठोकर से साइकिल सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने बाइक सवारों की तलाश शुरू कर दी है।

कैम्पियरगंज क्षेत्र के कुनवार निवासी हरीराम सिंह (70) मंगलवार को दोपहर करीब एक बजे साइकिल से घघवा चौराहे पर जा रहे थे। अपने गांव के लिंक रोड से ज्यों ही खड़खड़िया मार्ग पर चढ़े, तभी तेज रफ्तार बाइक सवार ने उनकी साइकिल में जोरदार ठोकर मार दी। इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल बुजुर्ग को परिजन कैम्पियरगंज सीएचसी ले गए। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनको बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

जिसकी आंखों में पाप है वही राक्षस

-भारतीय बस्ती संवाददाता- बस्ती । श्रीरामचरितमानस में महाकवि गोस्वामी तुलसीदासजी ने भगवान श्री राम और जनकनन्दिनी सीता के विवाह का वर्णन बड़ी ही सुंदरता से किया है। इनका विवाह पूरी रामायण की सबसे महत्वपूर्ण घटना है क्योंकि प्रकृति के नियंता को ज्ञात था कि जीवन में चौदह वर्ष का वनवास और रावण जैसे अहंकारी असुर का वध धैर्य के वरण के बगैर संभव नहीं है। अतः श्रीराम-जानकी का विवाह मुख्य रूप से यह एक बड़े संघर्ष से पूर्व धैर्यवरण का प्रसंग है। यह सद विचार कथा व्यास रघुवीरदास ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में छठवे दिन व्यक्त किया।

श्रीराम, लक्ष्मण, भरत शत्रुघ्न के नामकरण, यज्ञ रक्षा हेतु विश्वामित्र के साथ वन गमन आदि प्रसंगो का विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि विश्वामित्र के आग्रह पर दशरथ श्रीराम को भेजने के लिये तैयार नहीं हुये " **राम देत नहिं बनइ गुसांई। देह प्रान तें प्रिय कछु नाहीं। सोउ मुनि देउँ निमिष एक माही।।** किन्तु जब गुरु वशिष्ठ ने उन्हें समझाया कि सब मंगल होगा राम के जन्माक्षर बता रहे है कि इस वर्ष इन चारों कुमारों के विवाह का योग है तो यह सुनकर दशरथ हर्षित हो गये। दशरथ सद्गुरू के अधीन थे और गुरुदेव की आज्ञा को शिरोधार्य किया।

कथा प्रसंगो के क्रम में महात्मा जी ने कहा कि जीवन में सदगुण से ही मिठास आती है। जिसके जीवन में मधुरता नही ईश्वर उसे प्रिय नही है। महादान और द्रव्यदान से भी मान दान श्रेष्ठ है। विश्वामित्र के साथ श्रीराम लक्ष्मण चले। विश्वामित्र ने श्रीराम के गुणों की चर्चा करते हुये महात्मा जी ने कहा कि विश्व

-9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

जिसका मित्र है वही विश्वामित्र है। जगत मित्र बनोगे तो राम, लक्ष्मण तुम्हारे पीछे-पीछे आयेंगे। भगवान कहते हैं जब जीव मेरे दर्शन के लिये आता है तो मैं खड़ा होकर उसे दर्शन देता हूं। ईश्वर की दृष्टि तो जीव की ओर अखण्ड रूप से है, जीव ही ईश्वर की ओर दृष्टि नहीं करता है। राम जी सभी से प्रेम करते हैं। वे हमेशा धनुष वाण अपने साथ रखते हैं। धनुष ज्ञान का और वाण विवेक का स्वरूप है। ज्ञान और विवेक से सदा सज्जित रहो क्योंकि काम रूपी राक्षस न जाने कब विघ्न करने आ जाये। जिसकी आंखों में पाप है वही राक्षस है।

श्रीराम कथा के छठवे दिन कथा व्यास का विधि विधान से आयोजक बाबूराम सिंह, मुख्य यजमान संजीव सिंह ने पूजन किया। पूर्व विधायक अम्बिका सिंह के साथ ही देवेंद्र श्रीवास्तव ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, अभिषेक सूर्यवंशी, अजय सिंह जसवंत सिंह अनूप सिंह सुनील सिंह मातिबर सिंह राम कुमार गुप्ता नीरज गुप्ता विपिन सिंह उर्फ सोनू हर्षित नीरज राजेश सिंह संतलाल गुप्ता गंगाप्रसाद पाण्डेय, हरिश्चंद्र पाण्डेय, त्रिभुवन पाण्डेय, आदित्य सिंह अनिल सिंह अरुण अनिल सिंह, सौरभ शास्त्री, डा. कृष्ण प्रसाद मिश्र, पतरू सिंह, जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय, नन्दकिशोर पाण्डेय, सत्यनरायन द्विवेदी, अरूण सिंह, अजय सिंह, नीरज गुप्ता, मनोज गुप्ता, अनूप सिंह, जसवंत सिंह, चन्द्रभान गुप्ता, नीरज गुप्ता, हर्षित सिंह, आदित्य प्रताप सिंह, गणेश तिवारी, सुनील सिंह, रामू, राधेश्याम, विभा सिंह, इन्द्रपरी सिंह, दीक्षा सिंह, श्रद्धा सिंह, सोनू सिंह, शीला सिंह, महिमा सिंह, रागिनी सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में शामिल रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0T202317140107219/2023
धारा 144 उ0प्र0रा0सं02006
अदालत- श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) हर्रैया जिला-बस्ती
प्रेमनरायन सिंह आदि
बनाम
राम किशोर आदि

1. राम किशोर 2. महात्मा 3. फौजदार 4. सालिकराम पुत्रगण रामशंकर साकिनान सेमरा तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती उ0प्र0 5. सीता देवी पत्नी राणा प्रताप साकिन पैकोलिया तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 6. अखिलेश कुमार पुत्र नन्दलाल साकिन असनहरा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 7. दिनेश कुमार पुत्र कुशल प्रकाश साकिन बैरिहवा तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 8. ग्राम पंचायत भौखरी वि0क्षे0गौर त0 हर्रैया बस्ती 9. जिलाधिकारी बस्ती जनपद बस्ती उ0प्र0 -प्रतिवादीगण

तारीख पेशी 10-04-2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 10 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
अपील सं0
अदालत- श्रीमान चकबन्दी अधिकारी सोनूपार बस्ती जिला-बस्ती
कृष्णचन्द
बनाम
बिहारी लाल

1. बिहारी लाल पुत्र हरीराम 2. अजय कुमार पुत्र दुखरन साकिनान धमौरा तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला-बस्ती

तारीख पेशी 03-04-2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत-श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला-बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0- 19/2023
श्रीमती शीला आदि
बनाम
रामकेवल

1. रामकेवल उम्र लगभग 40 साल पुत्र श्री राम निवासी फूलपुर तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला-बस्ती

तारीख पेशी 18-04-2024

हरगाह मुद्दई मजकुरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश की है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 18 माह 04 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 27 माह 03 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय-श्रीमान सप्तम अति0 जिला जज महोदय बस्ती जिला-बस्ती
C.A. 31/99
जोखन
बनाम
रामबली आदि

4/1 श्रीमती लक्ष्मी देवी विधवा स्व0 कैलाश पुत्र राम आसरे 4/2 सरवन पुत्र कैलाश पुत्र राम आसरे निवासीगण कौवाठेर तप्पा मेंहदावल परगना मगहर परूव तहसील खलीलाबाद वर्तमान तहसील मेंहदावल जिला-संतकबीरनगर

तारीख पेशी 16-04-2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 16 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय-श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
मूलवाद सं0 296/2023
दिनेश गिरि
बनाम
पवन गिरी

1. पवन गिरि पुत्र हरिश्चन्द्र गिरि मो0 हनुमानगढ़ी वार्ड नं0-5 हर्रैया तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला-बस्ती 2. सालिकराम पुत्र सीताराम ग्राम हर्रैया घाट तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला-बस्ती 3. देवमणि पुत्र दीनानाथ ग्राम बढ़हरकला तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला-बस्ती

तारीख पेशी 26-04-2024

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2024 के माह 04 के 26 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक् रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक-दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक-प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या-फैजाबाद कार्यालय- चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या-फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय- आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय- इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com